MT EDUCARE LTD.

ICSE X **SUBJECT : HINDI**

BOARD PAPER – 2016

QUESTION PAPER

Section - A (40 Marks)

*(Attempt **all** questions)*

Question 1

Write a short composition in **Hindi** of approximately **250** words on any **one** of the following topics :

निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर **हिन्दी** में लगभग **250** शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए । **[15]**

i) पश्चिमी सभ्यता के प्रभाव से फैशन एवं प्रदर्शन की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है, जिसके कारण अनेक प्रकार की समस्याओं का जन्म हो रहा है तथा नैतिक मूल्यों का ह्रास हो रहा है। अपने विचारों द्वारा स्पष्ट कीजिये ।

ii) ''सादगी भी लोगों के दिलों में अमिट छाप छोड़ सकती है'' कथन को ध्यान में रखते हुए अपने देश के किसी ऐसे व्यक्तित्व के विषय में लिखिये जिन्होंने 'सादा जीवन उच्च्य विचार' को आधार मानकर अपना जीवन बिताया, आपके ऊपर उस व्यक्ति का प्रभाव किस प्रकार का रहा यह भी स्पष्ट कीजिये ।

iii) योग के माध्यम से हम शरीर तथा मन दोनों को स्वस्थ कर सकते हैं, जीवन में योग की अनिवार्यता तथा उससे मिलने वाले लाभों का वर्णन करते हुए अपने विचार लिखिए ।

iv) एक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो :-

''मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना''

v) निचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर उसका परिचय देते हुए कोई लेख, कहानी अथवा लेख लिखिए जिसका सीधा सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए ।

Question 2

Write a letter in **Hindi** in approximately **120** words on any **one** of the topics given below :

निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर **हिन्दी** में लगभग **120** शब्दों में पत्र लिखिए । **[7]**

i) आज टेलीविजन द्वारा विभिन्न चैनलों पर अन्धविश्वास तथा तन्त्र-मन्त्र से सम्बन्धित कार्यक्रम दिखाकर जनता को भ्रमित किया जा रहा है । भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मन्त्री को इसकी जानकारी देते हुए ऐसे कार्यक्रमों पर रोक लगाने का अनुरोध कीजिए ।

ii) आपकी चचेरी बहन जो गाँव में रहती है, उसकी दसवीं के बाद शिक्षा रोक दी गई है अत: उसकी आगे की शिक्षा जारी रखने का निवेदन करते हुए अपने चाचाजी को पत्र लिखिये जिसमें नारी शिक्षा की आवश्यकता और उसके लाभों की भी चर्चा कीजिए।

Question 3

Read the passage given below and answer in **Hindi** the questions that follow, using your own words as far as possible :

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे गए प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए । उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए । **[10]**

बहुत समय पहले एक गाँव में हरिहर नाम का एक दयालु और सीधा-सच्चा किसान रहता था । वह खेती-बाड़ी का काम करता था । वह पूरा दिन अपने खेत में जी-तोड़ मेहनत करता था । जीवन में उसकी मात्र एक इच्छा थी कि वह उडुपि के मन्दिर में भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन करना चाहता था । उडुपि कर्नाटक का प्रमुख तीर्थस्थान है । वह अपनी गरीबी के कारण तीर्थयात्रा की इच्छा पूरी नहीं कर पाता था । इसी तरह कुछ वर्ष बीत गए । समय के साथ-साथ हरिहर की आर्थिक स्थिति भी सुधरती गई । अब उसने तीर्थयात्रा की योजना बनाई । उसकी पत्नी ने उसके लिए पर्याप्त भोजन बाँध दिया ।

हरिहर तीर्थयात्रियों के एक दल के साथ उडुपि की ओर चल दिया । मार्ग में उसे एक स्थान पर एक बूढ़ा आदमी मिला । उसकी दशा बहुत ही दयनीय थी । वह कई दिनों से भूखा-प्यासा था और पीड़ा के कारण कराह रहा था । जैसे ही हरिहर की नज़र उस पर पड़ी, उसका हृदय करुणा से भर गया । उसने बूढ़े के पास जाकर पूछा, ''बाबा, क्या तुम भी तीर्थयात्रा करने उडुपि जा रहे हो ?'' बूढ़े आदमी ने उत्तर दिया, मेरा एक बेटा बीमार है और दूसरे बेटे ने भी तीन दिनों से कुछ नहीं खाया । फिर मैं तीर्थयात्रा कैसे करूँ ।''

हरिहर समझता था कि दीन-दुखियों की सेवा ही ईश्वर की सबसे बड़ी सेवा है, इसलिए उसने उडुपि जाने से पहले उस बुढ़े के घर जाने का निश्चय किया । उसके साथियों ने उसे बहुत समझाया । ''बहुत मुश्किल से तुमने धन एकत्र किया है, अगर यह नष्ट हो गया तो फिर तुम कभी तीर्थयात्रा नहीं कर पाओगे ।'' हरिहर पर उनकी बातों का कोई प्रभाव न पड़ा । वह बूढ़े के घर पहुँचा । उसने सबसे पहले घर के सभी व्यक्तियों को भरपेट भोजन कराया । फिर वह बीमार बच्चे के लिए दवा ले आया । उसने बूढ़े आदमी को खेत में बोने के लिए बीज भी ला दिए । वह कुछ दिन वहाँ रुका । उसने बूढ़े आदमी के बेटे की सेवा की, जिससे वह कुछ दिनों में स्वस्थ हो गया, लेकिन इन सारे कार्यों में उसके सारे पैसे खर्च हो गए ।

अब उसने तीर्थयात्रा बीच में ही छोड़कर वापस घर लौटने का निश्चय किया । उसे उडुपि न जा पाने का बिल्कुल भी दु:ख न था, क्योंकि वह जानता था कि उसने अपना सारा धन दीन-दुखियों की सेवा में खर्च किया था । घर पहुँचकर उसने अपनी पत्नी को सारी बातें बता दीं । पत्नी भी इस पर प्रसन्न हुई क्योंकि वह भी धार्मिक स्वभाव की महिला थी । उस रात हरिहर ने सपने में भगवान श्रीकृष्ण को देखा, जो उससे कह रहे थे, ''हरिहर तुम मेरे सच्चे भक्त हो । तुमने उस बूढ़े आदमी की सहायता की और अपनी इच्छा का बलिदान कर दिया । वह बूढ़ा आदमी कोई और नहीं मैं ही था । तुम्हारी परीक्षा के लिए मै उस बूढ़े आदमी का वेश धारण कर वहाँ आया था । तुम मेरे सच्चे सेवक हो ।'' इस तरह हरिहर बगैर तीर्थयात्रा पर गए पुण्य का भागीदार बना ।

प्रश्न : i) हरिहर क्या काम करता था ? उसकी एकमात्र इच्छा क्या थी ?

ii) हरिहर को तीर्थयात्रा के मार्ग में कौन मिला ? उसकी क्या स्थिति थी ?

iii) हरिहर ने बूढ़े व्यक्ति की कैसे सहायता की ?

iv) हरिहर ने घर लौटने का निश्चय क्यों किया ? वहाँ लौटने पर हरिहर ने क्या स्वप्न देखा ?

v) इस गद्यांश से आपको क्या शिक्षा मिलती है ?

Question 4

Answer the following according to the instructions given :

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए ।

i) निम्नलिखित शब्दों के विशेषण बनाइए । **[1]**

(a) लोभ (b) इतिहास

ii) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक के **दो** पर्यायवाची शब्द लिखिए । **[1]**

(a) बादल (b) स्वतंत्र

iii) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **दो** शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए । **[1]**

(a) उपकार (b) कोमल (c) नूतन (d) स्वामी

iv) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी **एक** की सहायता से वाक्य बनाइए । **[1]**

(a) अपने पैर पर आप कुल्हाड़ी मारना (b) बाल-बाल बचना ।

v) भाववाचक संज्ञा बनाइए । **[1]**

(a) अधिक (b) भक्त

vi) कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिये। **[3]**

(a) महाराणा प्रताप के साहस की तुलना नहीं की जा सकती है ।
(रेखांकित शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग कीजिये ।)

(b) मेरे घर में जो नौकर काम करता है, वह भाग गया है । (सरल वाक्य बनाइये)

(c) राजा का सेवक बहुत बुद्धिमान था । (लिंग बदलकर वाक्य दोबारा बनाइये।)

Section B is not given due to change in present Syllabus

❖❖❖❖